हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 5 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मोदी जी के 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम हेतु बैठक 6 जून को

मण्डला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया मोदी सरकार के 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि तक एवं विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, आपातकाल काला अध्याय कार्यक्रम हेतु दिनांक 06 जून 2025 को समय दोपहर 2 बजे दिन शुक्रवार भाजपा कार्यालय मण्डला में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यशाला (बैठक) में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, मण्डल अध्यक्ष,महामंत्री, मोर्चों के जिलाध्यक्ष, प्रकोष्ठ के संयोजक, पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक, कार्यक्रम की जिला टोली एवं मण्डल टोली के संयोजक, सहसंयोजक कार्यशाला में उपस्थित रहेंगे। सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि समय पर उपस्थित होंवे।

शासकीय आईटीआई में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन 16 तक

मण्डला। प्राचार्य आईटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार समस्त शासकीय आईटीआई में संचालित NCVT/SCVT के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन/ रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार हेतु तिथि दिनांक 16 जून 2025 कर दी गई हैं। इसके साथ ही इस वर्ष महिलाओं के लिए समस्त व्यवसायों में 35 प्रतिषत स्थान आरक्षित हैं। आईटीआई में स्थापित हेल्प डेस्क में रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध हैं। इच्छुक अभ्यार्थी ऑनलाईन के माध्यम से विभाग के डीएसडी पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर प्रवेश रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रेशन/ रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार आदि कर सकेंगे। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है अधिक जानकारी के लिए आवेदक विभाग के डीएसडी पोर्टल पर अथवा निकट की शासकीय आई0टी0आई0 में स्थापित हेल्प डेस्क से स्वयं उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिला शिक्षा केन्द्र के दांव-पेंच में उलझा बुजबुजिया स्कूल

बच्चों को अब भी नहीं मिला सुरक्षित अध्ययन स्थल

*** बिना संतुष्टि के बंद करा दी गई सीएम हेल्पलाइन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अजीब विडम्बना है कि सप्ताह में 02 दिन अनिवार्य रूप से जिले के महत्वपूर्ण विभागों के शीर्ष अधिकारी एक स्थान पर एकत्रित होते हैं शासकीय योजनाओं की समीक्षा करते हैं निर्माण कार्यों पर चर्चा होती है और निर्देशों की एक लम्बी फेहरिस्त जारी होती है बावजूद इसके व्यवस्था में जो खामियाँ थी वे अभी भी बदस्तूर यथावत हैं। प्रशासनिक अधिकारी नवीन निर्माण कार्यों का जायजा ले रहे हैं और वर्षों से अधूरे पड़े निर्माण कार्यों की सुध लेना वाला कोई नहीं। तकनीकि अधिकारी प्रोटोकॉल का पालन करते हुये कार्यक्रमों के आयोजनों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और प्रशासनिक अधिकारी निर्माण कार्यों की बारीकियाँ देख रहे हैं अब यदि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता होता है या निर्माण कार्य अपूर्ण रहते हैं तो फिर इसका जिम्मेदार कौन?

जनपद पंचायत मण्डला के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरा के ग्राम बुजबुजिया में वर्षों से शाला भवन निर्माण की बाट जोह रहे बच्चों और ग्रामीणों की उम्मीदें एक बार फिर अधूरी रह गई हैं। नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन बच्चों के पास अब भी न तो पढ़ने के लिए भवन है और न ही किसी स्थायी स्थान की व्यवस्था। विगत वर्ष की भांति इस बार भी विद्यालय संचालन को लेकर संकट गहराया हुआ है।

पिछले वर्ष जब मीडिया में मामला उजागर हुआ था, कि शाला का संचालन पेड़ के नीचे हो रहा है। तब विभाग ने आनन-फानन मे किसी ग्रामीण के घर में अस्थायी रूप से विद्यालय संचालन की व्यवस्था की थी, लेकिन इस बार न तो ऐसा कोई प्रबंध किया गया है और न ही कोई वैकल्पिक समाधान सामने आया है।

शिकायत दर्ज, लेकिन समाधान अधूरा

ग्राम में शाला भवन निर्माण को लेकर 21 दिसंबर 2024 को सीएम हेल्पलाइन (शिकायत क्रमांक 30257385) पर शिकायत दर्ज की गई थी। विभाग द्वारा उत्तर में बताया गया कि वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना में राज्य शिक्षा केंद्र से नवीन भवन की स्वीकृति मांगी गई है, परंतु स्वीकृति न मिलने के चलते कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। इससे भी गंभीर बात यह है कि शिकायतकर्ता की असंतुष्टि के बावजूद शिकायत को बंद कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वे शिकायत को पुनः खोलने की तैयारी कर रहे हैं।

2012-13 से अधूरा निर्माण, अब तक कोई जवाबदेही नहीं

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2012-13 में प्राथमिक शाला बुजबुजिया के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 3,01,000 रूपये की राशि स्वीकृत हुई थी, जिसमें से 1,43,563 रूपये ग्राम पंचायत के खाते में स्थानांतरित की गई थी। बावजूद इसके निर्माण कार्य आज तक अधूरा पड़ा है। विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल इसलिए भी उठते हैं क्योंकि इतने वर्षों में न तो कोई निगरानी की गई और न ही कोई वैकल्पिक कार्यवाही की गई।

अब जब मामला सार्वजनिक हो चुका है, तो विभाग ग्राम पंचायत से राशि की वापसी की मांग कर रहा है। सवाल यह है कि समय रहते विभाग ने कार्य न होने पर निर्माण एजेंसी क्यों नहीं बदली? क्या विभाग को यह तक याद नहीं रहा कि उसने निर्माण के लिए राशि दी थी?

स्थानीय लोगों की मांग और विभागीय असंवेदनशीलता

ग्रामीणों का कहना है कि जो राशि अतिरिक्त कक्ष के लिए दी गई थी, उसी से पुराने भवन की मरम्मत कराकर विद्यालय संचालन की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले सत्र में ग्रामीण के घर में अस्थायी रूप से स्कूल चलाया गया था, लेकिन विभाग द्वारा किराया नहीं दिए जाने के कारण पंचायत को वह राशि चुकानी पड़ी। इस बार संबंधित ग्रामीण ने अपने घर में स्कूल लगाने से इनकार कर दिया है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है।

बच्चों को भुगतना पड़ रहा है लापरवाही का खामियाजा

इस सम्पूर्ण विभागीय लापरवाही का सीधा असर गांव के बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें अब भी एक सुरक्षित व स्थायी अध्ययन स्थल नहीं मिल सका है। शिक्षा जैसे मूल अधिकार से बच्चों को वंचित किया जाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

ग्रामीणों की मांग - हो सूक्ष्म जांच और कड़ी कार्रवाई

क्षेत्रवासियों की मांग है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही इस शैक्षणिक सत्र में बच्चों को हर हाल में एक सुरक्षित और स्थायी अध्ययन स्थल उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनका भविष्य अंधकारमय होने से बच सके।

विभाग की जवाबदेही से बचने की कोशिश?

विभाग केवल नए भवन की स्वीकृति का हवाला देकर पुराने बजट और अधूरे निर्माण की अनदेखी कर रहा है, जिससे यह प्रतीत होता है कि वह अपनी जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रहा है।

फिलहाल ग्रामीणों की एकमात्र अपेक्षा है कि शिक्षा का मूल अधिकार सुरक्षित रहे और बच्चों को जल्द से जल्द पढ़ने के लिए एक समुचित स्थान प्रदान किया जाए।

इनका कहना :-

पूर्व सरपंच, सचिव द्वारा यह निर्माण कार्य क्यो नही कराया गया जब मेरे को जानकारी मे आया तो मैंने बैक राशि का पता किया तो राशि बैक मे सुरक्षित है, अब ब्याज सहित राशि दो लाख से ऊपर की हो गयी, जिसके उपयोग के लिए मैंने जिला शिक्षा केन्द्र को पत्र लिखकर मांग की है कि वर्तमान पंचायत द्वारा निर्माण कार्य अनुमोदन मिलने पर कराया जा सकता है किन्तु विभाग के अधिकारी अनुमोदन नही दे रहे हैं जिससे अभी भी निर्माण कार्य नही कराया जा पा रहा है। और स्कूल सुरक्षित स्थान पर संचालन की समस्या बनी हुई है।

-नरेश मार्को, सरपंच ,
ग्राम पंचायत सिलपुरा

यह बाद सत्य है और मेरी जानकारी मे है किन्तु वरिष्ठ कार्यालय से नये स्कूल भवन की अभी तक स्वीकृति न मिलने के कारण शाला भवन नही बन सका, अगर ग्राम पंचायत के पास जो राशि अतिरिक्त कक्ष की जमा है उसका प्रस्ताव बनाकर भेजे तो पुराने भवन के मरम्मत कार्य का वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमोदन लेकर पंचायत को मरम्मत कार्य के लिए आदेशित कर दिया जायेगा, जिससे वर्तमान स्कूल संचालन की व्यवस्था हो सकती है।

-अरविंद विश्वकर्मा,
डीपीसी मण्डला

शौर्य भूमि
अतिरिक्त कक्ष के लिए स्वीकृत हुई राशि, लेकिन अब तक नहीं हुआ निर्माण
पेड़ के नीचे संचालित हो रहा स्कूल

भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर सेन समाज के पदाधिकारियों ने ली भाजपा की सदस्यता

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला में भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर दर्जनों लोगों ने भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व में भाजपा का दामन थामा। सभी ने भाजपा में अपनी जिम्मेदारी, भूमिका निभाने की शपथ ली। सभी ने कहा कि वे पार्टी के प्रति हमेशा ईमानदार रहेंगे और पार्टी की गरिमा बनाए रखेंगे। जिला अध्यक्ष ने सभी को माला पहनाकर स्वागत किया। जिसमें सेन समाज के अध्यक्ष टीकाराम श्रीवास, चंद्रेश श्रीवास, ओंकार पटेल, जनार्दन साहू, अतुल राय, सागर पटेल, सम्पत श्रीवास सहित सेन समाज के अनेक पदाधिकारियों ने भाजपा की सदस्यता ली है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि आज आप सभी का विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में स्वागत है। भाजपा ही देश और छग को कुशल, सक्षम और बेदाग नेतृत्व देकर आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा केंद्र की भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्य शैली से सभी प्रभावित है। केंद्र की सरकार ने गरीब कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किया हैं। इसलिए अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रियता बढ़ रही है। हर वर्ग का व्यक्ति बीजेपी से जुड़ना चाहता है इसलिए पार्टी ने तय किया है। साथ उन्होंने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जो भाजपा की नीति से उत्साहित होकर भाजपा में शामिल होना चाहते हैं। उनके लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सदस्यता किए जायेंगे। जिसमें उनको सदस्यता दिलाई गई है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा सहित नगर मंडल अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, सालिकराम उसराठे, दीपांशु सेन, जितेंद्र श्रीवास, दीपा श्रीवास, प्रीति श्रीवास, साधना उसराठे , संदीप श्रीवास सहित कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राकेश कुमार क्रान्त बने संभागीय डाक सेवक संघ के अध्यक्ष

भुआबिछिया। अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक (मंडला-डिंडोरी जिला) संघ डिविजन दोनों जिलों के समस्त डाक सेवको ने सर्व सम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। रामसिंह धाकड़ परिमंडल सचिव भोपाल,दशरथ प्रसाद गौतम रीजनल सचिव जबलपुर और आर. पी. गर्ग सोसायटी अध्यक्ष जबलपुर की गरिमामयी उपस्थिति में संभागीय टीम का गठन किया। जिसमें राकेश कुमार क्रान्त अध्यक्ष, सचिव शंकरलाल यादव, कोषाध्यक्ष कमलेश सिंगौर और कार्यकारिणी सदस्यों में चमरू दास पड़वार, रमेश मार्को, संतूलाल धुर्वे, रामकुमार धुर्वे, यशवंत चंद्रौल, लीलाधर साहू, मायाप्रकाश डहेरिया, अतुलेंद्र सिंगौर, अमन भोतेकर, सुरेंद्र नेताम, विशाल जंघेला, विनोद गंगलोद, मनोज ठाकुर, लोकेश चंद्रौल, परमानंद झरिया, नीलेश यादव, हिरेंद्र साहू, अशोक भांवरे, सुभद्रा बंदेवार, मोनिका मिश्रा शामिल है।

समीक्षा | **पीएचई विभाग की समीक्षा बैठक में सीईओ जिला पंचायत के निर्देश।**

पूर्व से स्वीकृत योजनाओं का कार्य समय पर पूर्ण करें

*** 338 योजनाओं के अपूर्ण रहने पर नाराज दिखे सीईओ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने बुधवार को जिला योजना भवन में पीएचई विभाग की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कहा कि पूर्व से स्वीकृत सभी योजनाओं का कार्य समय में पूर्ण करें। कम्पलिट योजना ही संबंधित निकाय को हेडओवर करें। बैठक में फरवरी 2024 तक स्वीकृत हो चुकी योजनाओं में से जिले की 338 योजनाओं के समय पूर्ण नहीं होने पर सीईओ जिला पंचायत ने नाराजगी व्यक्त की। बैठक में जनपदवार विविध कारणों से बंद योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित योजनाओं में आ रही समस्याओं चिहिन्त किया गया। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि संबंधित समस्याओं के लिए एसडीएम तथा सीईओ जनपद पंचायत के साथ समन्वय करते हुए निराकरण कराएं। किसी भी स्थिति जल प्रदाय बाधित नहीं होना चाहिए। जल निगम, एमपीआरडीसी अथवा अन्य एंजेसी द्वारा पाईप लाईन डेमेज करने पर मरमस्त कराने के लिए आवष्वकता पत्राचार करें। उन्होंने वीसी के माध्यम से जुडे. सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि एक से अधिक कारणों से बंद योजनाओं के लिए अनुविभाग में पीएचई, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी तथा संबंधित एंजेसी के अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए निराकरण सुनिष्चित कराएं। सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देशित किया निर्देशित करते हुए कहा कि विभाग द्वारा खनित असफल नलकूपों की अनिवार्यतः कैपिंग कराएं। कुछ चिन्हित असफल नलकूपों को रिचार्ज करने के लिए पिट बनाकर नवाचार करें। रिचार्ज सफल होने पर यह प्रयोग अन्य असफल नलकूपों में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 5 जून को विष्व पर्यावरण दिवस पर आप सभी सांकेतिक वृक्षारोपण आवष्यक कराएं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रदाय योजनाओं सतत चले यह विभाग की जिम्मेदारी है। किसी योजना विषेष में समस्या आने की स्थिति में 3 दिन के भीतर सीईओ जनपद पंचायत के संज्ञान में लाएं। 5 दिनों में भी निराकरण ना हो तो संबंधित एसडीएम की जानकारी में लाना सुनिश्चित करें। बैठक में कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री मनोज भास्कर सहित पीएचई के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वीसी के माध्यम से समस्त एसडीएम तथा सीईओ जिला पंचायत भी शामिल हुए।

नारायणगंज का बस स्टैंड बना कचरा घर

*** पंचायत एवं जनपद के अधिकारी, जनप्रतिनिधि गहरी नींद में।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के मुख्यालय की ग्राम पंचायत पडरिया के द्वारा बरसात के आने के पहले नालियां साफ कराने का कार्य किया जा रहा है नालियों से कचरे को निकाल कर बाहर रख दिया गया है जिसे विगत तीन दिनों से हटाया नहीं गया है जिससे आमजनों में खासा गुस्सा नजर आ रहा है और कचरे के प्रदूषण से बीमारियों को भी आमंत्रण दिया जा रहा है।

आखिर कब तक सजा कर रखा जाएगा मलवा

ग्राम पंचायत पडरिया द्वारा नालियों की सफाई का कार्य किया जा रहा है परंतु निकले मलवे और कचरे को व्यवस्थित जगह न फेंक कर बीच बस स्टैंड में निकाल कर रख दिया गया है जिससे आमजनों में अच्छा खासा रोस व्याप्त है और अनेकों बीमारियों को भी आमंत्रण दिया जा रहा है।

ग्राम पंचायत पडरिया की कार्यशैली पर उठते रहे हैं सवाल

विगत वर्षों में पंचायत पडरिया द्वारा किए गए कार्यों को समय अवधि में न करना गुणवत्ता का ध्यान न रखना पंचायत पडरिया की आदत में आ गया है सूत्रों की माने तो इनकी सुस्त कार्यशैली से जनता परेशान नजर आती है। नारायणगंज के बस स्टैंड से जबलपुर जाने वाली सड़क पर बहुत बड़ा गड्ढा है जिसके निर्माण के लिए राशि पंचायत के खाते में भी आ गई है परंतु आज दिनांक तक गड्ढे की मरम्मत का कार्य पंचायत के द्वारा नहीं कराया जा रहा है।

जनपद पंचायत नारायणगंज के उच्च अधिकारियों से जनता का निवेदन है कि कचरे को यथा स्थान में फिकवाया जाए और गड्ढे की मरम्मत का कार्य यथा शीघ्र कराया जाए जिससे आवागम में हो रही परेशानी से निजात मिले।

खबर संक्षेप

वन समितियों की देखरेख में तेजी से संग्रहित हो रहा तेंदूपत्ता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों क्षेत्र में वन विभाग द्वारा बनाई गई सालीचौका, चीचली, गोटीटोरिया यूनिट की देखरेख में व्यवस्थित ढंग से जंगल क्षेत्र में तेन्दूपत्ता का संग्रहण का कार्य जारी है, जिससे उम्मीद है कि वन समितियों को तेंदूपत्ता के संग्रहण का जो लक्ष्य दिया गया है वह पूर्ण जायेगा। गौरतलब है कि इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के दौरान वन क्षेत्र के आसपास के गांवों के आदिवासी, मजदूरों को अच्छी आय का साधन साबित हो रहा है, वही उनका वक्त खुशी के साथ कट रहा है, वन समितियों से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष गर्मी अधिक पड़ने से पिछले वर्ष की तुलना में क्षेत्र के जंगल के तेंदूपत्ता की गुणवत्ता बेहतर होने से इस कार्य में ज्यादा सहयोग मिल रहा है। आमतौर पर एक मजदूर दिन भर में लगभग 300 गड्डी तेदूपत्ता तोड़कर लगभग 500 से लेकर 700 रूपया तक प्राप्त कर लेता है जिसके चलते उसकी मजदूरी निकल आती है। क्षेत्र के वनांचल के गांवों में रहने वाले आदिवासी हर साल बेसब्री से तेंदूपत्ता संग्रहण क कार्य शुरू होने का अप्रैल मो से इंतजार करने लगे है। ज्ञात हो कि क्षेत्र के वनांचल में उपजा तेंदूपत्ता हमेशा से अपनी गुणवत्ता को लेकर श्रेष्ठ माना जाता है जिसे खरीदने बाहर के व्यापारी लालायित रहते है।

गांवों में किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी पर अंकुश लगाने में पुलिस क्यों नही हो रही सफल

हरिभूमि न्यूज/सड़ूमर। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र में चोरी की घटनाएं घटित हो रही है उसके चलते क्षेत्र के लोग लगातार दहशत की स्थिति में तो देखे ही जा रहे है। मगर अब स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि किसानों के खेतों पर रखे हुए कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्योंकि इस समय पड़ रही गर्मी के मौसम के चलते किसानों को सिंचाई हेतु मुश्किल से ही बिजली मिल पा रही है जिसके चलते किसान अपने खेतों में लगी हुई मूंक व गन्ने की फसल की सिंचाई चिलचिलाती धूप की परवाह किये बगैर करने में लगा हुआ है। मगर जब देखा जाता है कि किसान अपने खेतों से थोडी देर के लिए जब अलग होता है तो वहां पर रखे हुए कृषियंत्रों पर अपने हाथ साफ करने वाले कोई मौका नही छोड़ रहे है जिसके चलते क्षेत्र के किसान दहशत में देखे जा रहे है इस प्रकार से किसानों के कृषि यंत्रों की चोरी की घटनाओं के चलते जहां क्षेत्र के किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर उनके कृषि कार्यों में भी काफी व्यवधान पैदा हो रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्रके अनेक गांवों में देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम ही है कि इस प्रकार से चोरी जैसी घटनाएं आम होती जा रही है? क्योंकि इस भीषण महंगाई के दौर में जब युवाओं को इस प्रकार से नशे की लत लग जाती है और उसे पूरी करने के लिए युवाओं के पास जब धन का आभाव होता है तो वह इस प्रकार से चोरी जैसे कदम उठाते हुए अपनी लत को पूरी करने से नही चूकते है? इस संबंध में लोगों का कहना है कि यदि गांव गांव बिक रही अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लग जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

शासन द्वारा मूंग खरीदी सहित अन्य मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अन्नदाता किसानों ने मूंग फसल की खरीदी को लेकर किया अनोखा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि आये दिन अपनी मांगों को लेकर लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन के साथ साथ धरना देते हुये अधिकारियों को ज्ञापन सौपा जाता है। मगर बीते हुये दिवस जिस तरह क्षेत्र के अन्नदाता को चीलचीलाती धूप के बीच अर्धनग्न अवस्था घुटनों के बल रेकते हुये देखा तो लोगों की आंखों में आंसू छलकने से नही चूक पाये वही दूसरी ओर आमजन को यह कहते हुये भी सुना की जिन अन्नदाताओं की बल पर आज लोग प्रदेश से लेकर देश की राजधानी में कुर्सी पर बैठे हुये जिम्मेदार एयर कन्डिशन की हवा ले रहे है और सबका पेट भरने वाला किसान आज अपने घुटनों पर रेकते हुये अधिकारियों के समझ अपने खून पसीने को एक करते हुये तैयार की गई फसल का उचित मूल्य प्राप्त करने के लिये गुहार लगाते हुये देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि बीते हुये कई वर्षो से सरकार द्वारा क्षेत्र के किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली गर्मी मौसम की मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदा जाता था। मगर इस वर्ष अभी तक न तो मूंग की खरीद शुरू की गाई है और न ही उसका पंजीयन करने के लिये कोई दिशा निर्देश जारी किये गये है। जबकि सच्चाई यह है कि क्षेत्र में लगभग अस्सी प्रतिशत किसानों की मूंग कटकर तैयार हो चुकी है। इस तरह मूंग फसल तैयार होने के तुरंत बाद उसका विक्रय करने के लिये किसानों को मजबूर इसलिये होना पड़ता है। क्योंकि मूंग फसल तैयार करते हुये उसमें लगने वाले अनेक प्रकार के रोगों से बचाव को लेकर किसानों को उसमें दबाईयों का छिड़काव किया जाता है उन दबाईयों को किसानों द्वारा दुकानदारों के पास से यह भरोसा दिलाते हुये उधार के रूप में लिया जाता है कि मात्र एक या दो माह बाद मूंग फसल आने के बाद उसे ब्रेचकर उधारी चुका दी जावेगी। इसके आलवा अन्य जरूरी कार्य भी किसान द्वारा मूंग फसल के भरोसे ही किये जाते है। वही दूसरी ओर मूंग फसल की कटाई से लेकर उसकी थ्रेशिंग सहित अन्य कार्यो में भी पैसा खर्च किया जाता है। इस अपने घर तक मूंग लाने के दौरान किसान काफी हद तक कर्जदार बन चुका होता है। उस कर्ज को

अर्धनग्न अवस्था में घुटनों के बल गुहार लगाने रेगते हुये पहुंचे एसडीएम कार्यालय

पटाने के लिये अन्नदाता को मूंग फसल का विक्रय शीघ्र ही करने की मजबूरी बन जाती है। वही क्षेत्र की स्थिति पर गौर किया जावे तो गाडरवारा तहसील क्षेत्र जहां पूर्णरूप से कृषि पर आधारित है। वही दूसरी ओर गर्मी की मूंग फसल इस क्षेत्र के किसानों के लिये प्रमुख बन चुकी है। इसी के चलते क्षेत्र के लगभग सभी किसानों द्वारा अपने खेतों में मूंग फसल लगाते हुये उसे तैयार करने में काफी लागत इस सोच के चलते लगा दी जाती है कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद करते हुये किसानों की लागत की भरपाई हो जावेगी। क्योंकि हर साल देखा भी जाता था कि जून माह के दौरान मध्य प्रदेश शासन द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू कर दी गई थी। मगर इस वर्ष जून माह का पहला पखबाड़ा बीतने की ओर है। मगर शासन प्रशासन द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने की बात तो दूर उसके पंजीयन को लेकर भी किसी प्रकार से कोई दिशा निर्देश जारी नही किये गये है। इस स्थिति में किसानों को अपने खून पसीने से तैयार की गई गर्मी मौसम की मूंग फसल को जहां खुले बाजार व व्यापारियों के यहां ओने पोने दामों में बेचने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। व्यापारियों द्वारा अन्नदता की मेहनत का मूल्य जिस तरह से आका जा रहा है उसके चलते किसानों द्वारा अपनी मूंग फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत भी खड़ी होते हुये दिखाई नही दे रही है। इस तरह क्षेत्र के किसानों के सामने मुश्किल के बादल मडराते हुये दिखाई दे रहे है। इस प्रकार से अन्नदाता की पीड़ा को हरिभूमि द्वारा अपने 29 मई के अंक में प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था। किसानों को अपनी मूंग फसल को शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू नही किये जाने की बात को लेकर क्षेत्र के किसानों में आक्रोश का महौल बन रहा है। इस प्रकार से क्षेत्र के आक्रोशित अन्नदाताओं द्वारा बुधवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के बेनर तले नगर के पलोटनगंज देवी मंदिर के पास एकत्र होकर मूंग फसल को शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग करते हुये विरोध प्रदर्शन करते हुये रैली निकाली गई। इसके बाद आक्रोशित किसान अर्धनग्न अवस्था में होकर अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय घुटनों के बल रेगते हुये गुहार लगाने के लिये पहुंचे। इस प्रकार से नगर में पहलीबार देखने मिला है कि जब क्षेत्र का अन्नदाता अपने घुटने के बल आते हुये अपने आपको को किसानों की सरकार कहने वाली सरकार के राज्य में इस तरह किसानों की स्थिति दिखाई देना निश्चित तौर से चिंता जनक संदेश देने से नही चूक पा रही है..? इस प्रकार से मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग करने के लिये घुटनों पर रेगते हुये अन्नदाता की सच्चाई को देखकर जहां लोगों की आंखों में आंसू छलकते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे थें..? वही दूसरी ओर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर किसानों द्वारा मूंग फसल की समर्थन मूल्य पर खरीदी सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्य मंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी कलावति व्यारे को ज्ञापन सौपा गया। सौपे गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि गाडरवारा सहित संपूर्ण जिले का किसान गर्मी मूंग फसल को काफी मात्रा में पैदा करते है और यही उनके भरण पोषण का मुख्य स्रोत है। सरकार द्वारा बीते हुये कई वर्षो से किसानों द्वारा पैदा की जाने वाली गर्मी मौसम की मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीद कराते हुये किसानों को लाभ देती थी। मगर इस वर्ष किसानों की मूंग खरीदने की बात तो दूर उसका पंजीयन कराने के लिये भी कोई दिशा निर्देश जारी नही किये गये है। जबकि क्षेत्र के लगभग अस्सी प्रतिशत किसानों की मूंग फसल तैयार हो चुकी है और उसे व्यापारियों के पास ओने पोने दामों में बेचने के लिये मजबूर हो रहा है। हम मांग करते हुये हम किसानों की मूंग फसल का शीघ्रता के साथ समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू की जावे। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम कौड़िया स्थित शक्ति शुगर मिल द्वारा किसानों का प्रति क्विंटल 20 रूपया की राशि जो रोककर रखी गई उसका शीघ्र भुगतान कराया जावे। वही दूसरी ओर राजस्व विभाग में भीषण अनियमितताये का जो बोल बाला है उस पर अंकुश लगाया जावे। वही दूसरी ओर किसानों के मोटर पंपों सहित घरेलू बिजली बिल मनमाने तौर से बढ़ाते हुये भेजे जा रहे है उनमें सुधार कराया जावे। वही दूसरी ओर अनाज मंडी में किसानों जिस तरह व्यापारियों द्वारा प्रति क्विंटल पर 700 ग्राम अधिक तुलाई की जा रही है उसको बंद कराया जावे। इसके आलवा किसानों की फसलो को जंगली जानवरों द्वारा क्षतित पहुंचाई जा रही है उस पर मुंआवजा प्रदान कराने के साथ साथ एनटीपीसी से निकलने वाले राख का परिवहन करने वाले भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी पर रोक लगाई जावे। क्योंकि क्षेत्र की सड़के इस क्षमता व चौड़ाई की नही बनी हुई है जो इस समय दौड़ रहे ट्राला रूपी डम्फरों की मार सह सके। इन डम्फरों से आये दिन सड़क दुर्घटनाओं के चलते लोग बेमौत मरते हुये देखे जा रहे है। इस तरह आक्रोशित किसानों द्वारा अपनी मांगों से परिपूर्ण ज्ञापन अनोखा प्रदर्शन करते हुये अनुविभागीय अधिकारी को सौपा गया। इस दौरान गाडरवारा तहसील क्षेत्र के आलावा सांईखेड़ा व चीचली कौड़िया क्षेत्र से आये हुये सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद थें। इस प्रकार से अन्नदाताओं के आक्रोश को देखते हुये धरना स्थल से लेकर अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय तक काफी पुलिस बल तैनात रहने के चलते पलोटन गंज पुलिस छावनी के रूप में नजर आने से नही चूक रहा था। इस तरह जहां क्षेत्र का किसान अपने घुटनों पर रेगते हुये अपनी फसल का मूल्य मांगते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर नगर में प्रदेश के मुख्यमंत्री के आने की तैयारियाँ चलते हुये देखी जा रही है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यह क्षेत्र का अन्नदाता किसान प्रदेश के मुखिया के समझ भी इस प्रकार से गुहार लगाने के लिये पहुंचेगा..?

पहले जैसा नहीं रहा क्षेत्र का पर्यावरण, वनों की लगातार कटाई से बिगड़ रहा पृथ्वी का संतुलन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। भले ही आये दिन हमारे देश से लेकर प्रदेश व क्षेत्र के नेताओं द्वारा पर्यावरण की रक्षा को लेकर बड़ी बड़ी बाते करते हुए वृक्षारोपण किया जाता है। मगर इस समय पर्यावरण के साथ खिलबाड़ की जा रही है उसके परिणाम आने वाले भविष्य में भयानक होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्योंकि मौसम के द्वारा चाहे जब अपना विचित्र खेल दिखाने से क्षेत्रवासियों को चौकाने व चिंतित होने को क्यों मजबूर किया जा रहा है। यह सच्चाई किसी से छिपी नही है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो लगातार पर्यावरण के खराब होने का प्रमुख कारण है कि वाहनों की तादात बढ़ने से शहर व गांवो में रोज उठने वाले धुयें के गुबार किस हद तक माहौल को प्रदूषित कर रहा है और यह बात भी शायद किसी से छिपी नही है। क्योंकि जिस प्रकार से सड़को पर वाहन दौड़ते हुए लोगों को धुंआ के रूप में जो जहर परोस रहे है और उससे पर्यावरण पूर्णरूप से खराब हो रहा है। वही दूसरी ओर जिस स्थिति से क्षेत्र में लगातार लग रही नई फैक्ट्री भी प्रदूषण को खराब करने में पीछे नही है..? जिसके चलते स्वच्छ आबो हवा किसी तरह से क्षेत्रवासियों को नही मिल पा रही है। इन सबालों को जेहन में कौधने वाला अंतराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस आज 5 जून को है। ज्ञातव्य है कि आज गुरूवार को शासन प्रशासन की ओर से जनता को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देने के साथ अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए लोगों को पर्यावरण की रक्षा करने की जानकारी के लिए शायद कोई आयोजन नही रखा गया हो..? लेकिन आमतौर पर जैसा होता आया है बाद में पर्यावरण को महफूज रखने में सहायक क्षेत्र की नदियों, पहाड़, वृक्षों की हो रही दुर्दशा को भुला दिया गया है। इसके आलवा इस बात पर भी चिंतन करना बंद कर दिया गया है कि आखिर किन कारणों से क्षेत्र का पर्यावरण निरंतर बिगड़ रहा है और इसकी स्थिति में सुधार करने की दिशा में प्रयास करने में हम सार्थक कदम क्यों नही उठा पा रहे है। गौरतलब है कि लगभग एक दशक से क्षेत्र के पर्यावरण के खराब होने का सिलसिला शुरू हुआ है जो थमने का नाम नही ले रहा है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो जिन सफेद पोश धारियों को आये दिन समाज सेवा की मंच पर बडी बडी बाते करने के साथ अपने आपकों आमजन की नजरों में निष्ठावान बन कर पर्यावरण की रक्षा करने के नाम पर पेड़ लगाते हुये देखा जाता है और उन्ही के द्वारा अपनी जेबे भरने हरियाली पर कुल्हाडी चलाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पहले देखा जाता था कि जिस प्रकार से क्षेत्र के जंगल में खडे वृक्ष सुकून भरी हवाओं से झूमते इठलाते थें। मगर अब वे विभागीय अधिकारियों की मनमानी तथा इस जंगल की स्वार्थी जुगाड़ लीला से धराशाही होते चले जा रहे है..? क्योंकि इन जंगलों की रक्षा

रोपे गये वृक्षों की जगह मात्र बेसर्म के पेड ही दिखाई दे रहे है। जिससे यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि पंचायतों में वृक्षरोपण के नाम पर खर्च की गई राशि

के लिए जिनको जिम्मेदारी सौपी गई थी वही अब वनों को उजडबाने में अपने अहिम भूमिका निभाते हुए जान पड़ने से नही चूक रहे है? वही दूसरी क्षेत्र के जंगलो में प्लानटेशन की गति धीमी रहने से सदाबाहर वृक्षों की तादाद कम हो गई है। इसी प्रकार से शहर व क्षेत्र के गांवों में पहले चले वृक्षारोपण अभियानों का हश्र भी बुरा होने से सड़को के किनारों पर लगे वृक्ष रख रखाव न होने से सूख रहे है या फिर वह कुल्हाडी के शिकार होते हुये देखे जा रहे है। कुछ इसी प्रकार का हाल क्षेत्र के सतपुड़ा पहाड़ के वृक्षों की बनी हुई है जो लगातार वृक्ष विहीन होते हुए देखा जा रहा है और इसी का परिणाम है कि हर वर्ष तपन में बढ़ोत्तरी होने से नही चूक रही है जिसकी सच्चाई वर्तमान समय में पड़ रही भीषण गर्मा एक उदाहरण के रूप में मौजूद है। वही सरकारों द्वारा भी हर साल पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए जहां करोड़ो रूपया खर्च करते हुए हरियाली महोत्सव के नाम से योजना चलाते हुए गांव गांव लाखो रूपया बांटते हुए वृक्षा रोपण कराया जाता है। मगर शासन की राशि खर्च करते हुए रोपे जाने वाले उन पौधों की क्या सच्चाई है यह शायद ही किसी से छिपी हो..? जिसको लेकर क्षेत्र की पंचयातों में कागजों के हिसाब से वृक्षारोपण तो हुआ है। मगर सच्चाई यह है कि पंचायतों द्वारा लगाये गये वृक्षों की स्थिति वहां पर बनाये गये ट्री गार्ड ही बता रहे है कि किस प्रकार से पंचयतों द्वारा वृक्षारोपण किया गया है जो सिर्फ अखबारों की सुर्खियों तक ही दिखाई देते हुए नजर आया है। क्योंकि ट्री गार्ड में मात्र कागजों व ट्री गार्डो तक ही सीमित रही होगी तो दूसरी ओर पर्यावरण को बेहतर बनाने बाली नदियाँ भी अपना दम तोड रही है। वही बारह माह अजीब हवाऐं चलने के कारण वातावरण विकृत होने से सावन माह में गर्मी और फागुन में ठंडक, ठंड के मौसम में तपिश का अहसास होने से अब यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है कि कब कौन सा मौसम बेईमान हो जाएगा? विदित हो कि क्षेत्र में पर्यावरण के विगड़ने से जहां जन स्वास्थ्य तो खतरे में पड़ ही रहा है साथ ही साथ प्राकृतिक आपदाओं से क्षेत्रीय किसानों द्वारा से अपने खेतों में बोई जाने वाली फसलों की पैदावार में भी अंतर आ रहा है। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर इस सच्चाई से इंकार नही किया जा सकता है कि शहर में सीमेन्ट, कांक्रीट के जंगलों का विस्तार होने से आमजन जहां वार्किग की समस्या से जूझ रहे है। वही क्षेत्र में लगातार फैक्ट्रियों का जाल बिछने के कारण उनकी चिमनियों से उठने वाले धुयें से भी पर्यावरण की रक्षा नही हो पा रही है। क्षेत्र के पर्यावरण की दशा सोचनीय होने से वन्य प्राणी जंगल से पलायन कर शहर और गांवों की ओर भाग रहे है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण की दशा में सुधार करने की दृष्टि से जंगल, सार्वजनिक स्थानों में लगे वृक्षों को बचाने, बेतरतीक बसाहट की रोकथाम के लिए जिम्मेदारों द्वारा शायद ही निष्ठा पूर्वक कभी भी प्रयास नही किए गये है और इसी का नतीजा है कि पर्यावरण बिगडंने का नतीजा उसे क्षेत्र की नई पीढ़ी को भोगने विवश होना पड़ रहा है?

निजी कंपनी के मोबाईल टावर को लेकर मनमानी

ग्रामीणों की जिन्दगी को दांव पर लगाते हुये मार्ग के समीप स्थापित की जा रही डीपी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र के स्थापित हो रही निजी कंपनी द्वारा जिस तरह अपने स्वार्थ का ध्यान रखते हुये काम किये जाते है उस दौरान व आम लोगों की जिन्दगी की सुरक्षा से लेकर परेशानी को नजर अंदाज इस तरह से किया जाता है कि बाद में लोगों को अनेक प्रकार की मुसीबतों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इतना ही नही इन निजी कपंनियों की मनमानी को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा चुप्पी साधी जाती है उसके चलते जहां इनके हौसले बुलंद होने से नही चूकते है तो दूसरी ओर बाद में पछताने के लिये मजबूर होना पड़ता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम सहावन में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि ग्राम सहावन में एक निजी मोबाईल कंपनी द्वारा स्थापित किये गये अपने टावर तक बिजली पहुंचाने के लिये जिस प्रकार से लाईन खड़ी कराई जा रहे है उसके चलते जहां गांव के मुख्य मार्ग के पास खम्बे लगाये जाने के चलते यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने से नही चूकेगा। वही दूसरी ओर मार्ग किनारे ही लगाये जाने वाला ट्रांसफार्मर के चलते ग्रामवासियों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? बताया जाता है कि यह मार्ग गांव के लोगों का मुख्य मार्ग होने के कारण आना जाना बना रहता है तो दूसरी ओर ग्रामीण जन अपने खेतों से ट्रेक्टर ट्राली के माध्यम से फसल लेकर भी इसी मार्ग से निकलते है। इस स्थिति में मुख्य मार्ग के किनारे इस तरह विद्युत डीपी स्थापित किये जाने के चलते जहां आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने की संभावना के साथ साथ ग्रामीणों को

अपनी फसल लाने ले जाने में भी परेशानी का सामना करने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? मगर हैरत की बात है कि इस तरह एक निजी मोबाईल टावर स्थापित करने वाली कंपनी द्वारा की जा रही मनमानी को लेकर जहां बिजली विभाग से लेकर ग्राम स्तर से लेकर उच्च स्तर के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिस प्रकार से चुप्पी साधी जा रही है उसी का परिणाम है कि एक बाहर से आई हुई कंपनी अपनी मनमानी पर उतारू होते हुये देखी जा रही है..? इस तरह की जा रही मनमानी को लेकर यदि कोई ग्रामवासी सबाल जबाव करता है तो कंपनी से जुडे हुये लोग उसको अपनी पहुंच की दम दिखाने में भी पीछे नही रहते है..? इस सच्चाई को देखते हुये यह जान पड़ने से नही चूक रहा है कि मानों क्षेत्र के पेहरेदार इन बाहरी कंपनियों के गुलाम बन चुके है और ग्राम से लेकर क्षेत्र का अब भगवान ही मालिक है..?

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्ध तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है, इस बात की सच्चाई सड़को पर आलू बंडा, चाट, मुंगोडी और अंडे का ठेला लगाने वाले बेहतर जानते है? जब भी किसी अधिकारी को कानून का पालन करानें की याद आती है तो सड़क किनारे से 4-5 सिलेंडर जप्त कर

लिये जाते है, परंतु रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने में अधिकारियो के हाथ में न जाने क्यो दही जम जाता है? घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद है। शादियो सीजन के दौरान जहां खुलेआम घरेलू गैस का दुरूपयोग होते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी जम शाम ढले किसी समारोह में सह परिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई देने से नही चूकते है? इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा कैटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है। वही देखा जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर आयोजनों में खाना बनाने वाले पूरी दिलेरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है? जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल की जा रही है, जिसके चलते शहर में आये दिन चोरी छुपे 100-50 रूपये में रिफिल किये जाने का कारोबार जोरो पर है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना चिंता की बात है? जबकि इस प्रकार से संभावित हादसो और घरेलू गैस की किल्लत को रोकने के लिये यह बेहद आवश्यक है कि विभागीय अधिकारी गंभीरता दिखाते हुए इन पर नकेल कसने का प्रयास करें एवं जिन स्थानो पर असुरक्षित तरीके से गैस रिफलिंग का काला कारोबार चल रहा है उन ठिकानो पर छापामारी कर उन्हे सबक सिखाया जाये, वही विवाह समारोहो एवं अन्य ऐसे आयोजन जहां घरेलू गैस के दुरूपयोग पर भी अंकुश लगना जरूरी है।

बिना नम्बर के चल रहे सैकड़ों टैक्ट्रर से दुर्घटना की बनी आशंका

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर/गाडरवारा

जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है, इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्रों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर

बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है? टैक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है, वही अवैध उत्खनन के समय छापे के दौरान टेक्टर चालकों और मालिकों के भाग जाने से अवैध उत्खनन करने वालों की जानकारी भी आसानी से नही मिल पाती है? संबंधित विभाग की लापरवाही के चलतें जहां क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से दौड़ रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए, क्योंकि इस समय यह भी देखा जा रहा है कि ट्रेक्टर चालको द्वारा रात के समय ट्रेक्टर का उपयोग करते समय सामने का एक ही लाईट चालू किया जाता है जिससे सामने आने वाला व्यक्ति उसे दो पाहिया वाहन समझकर साईड देता है और वह दुघर्टना ग्रस्त हो जाता है। अतः शासन प्रशासन से मांग की जाती है कि बगैर नम्बर तथा एक लाईट व बगैर लाईट के टैक्टरों के खिलाफ एक मुहित के तहत कार्यवाही की जावें।

नर्मदा तट पर स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश लेकर निकली जनजागरण यात्रा

दक्षिण तट से शुरू होकर रमपुरी घाट पर सम्पन्न हुई यात्रा, ग्रामों में चला चौपाल व संवाद कार्यक्रम

डिंडौरी । पावन नर्मदा नदी को निर्मल और अविरल बनाए रखने हेतु नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा का आयोजन जनअभियान परिषद द्वारा किया गया। यात्रा का शुभारंभ 25 मई को किया गया थाए जो 5 जून तक चलेगी। उत्तर तट की यात्रा पूर्ण कर अब यह यात्रा दक्षिण तट पर जारी है। इस क्रम में 3 जून को यात्रा विकासखंड डिंडौरी के ग्राम सुबखार रैयत से प्रारंभ हुई। जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान नदी तट की सफाईए घाटों का सर्वेक्षणए तथा ग्रामीणों के बीच स्वच्छताए जैविक खेतीए पौधरोपण एवं जल.गंगा संवर्धन विषयों पर संवाद किया गया। यात्रा सुबखार रैयत से होते हुए औरई रयपुरा और इमलई माल तक निकाली गई। यात्रा का समापन विकासखंड अमरपुर के ग्राम रमपुरी में किया गयाए जहाँ कलश यात्राए जल संरक्षण की शपथ एवं चौपाल का आयोजन किया गया। इस अभियान में नवांकुर संस्थाए नर्मदा सेवा समितिए ग्राम विकास प्रस्फुटन समितिए सीएमसीएलडीपी के छात्र और परामर्शदाता सहित अनेक सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता रही। विकासखंड समन्वयक गणेश राजपूत व अमरलाल धुर्वे ने भी ग्रामीणों सेसंवाद कर उन्हें पर्यावरण सुरक्षा व नदी संरक्षण के लिए प्रेरित किया। यह यात्रा केवल एक अभियान नहींए बल्कि नर्मदा के प्रति जनजागरण और चेतना का संदेश हैए जो समाज को जल और पर्यावरण संरक्षण की ओर अग्रसर कर रही है।

प्रतिबंध के बावजूद डिंडौरी में अवैध शराब का धंधा जारी, कार्यवाही सिर्फ औपचारिकता

डिंडौरी । आस्था और श्रद्धा की केंद्र पवित्र नर्मदा नदी के तटों पर स्थित कस्बा और नगरों को पवित्र धार्मिक स्थल घोषित करते हुए पूर्णतः शराब बंदी की घोषणा मध्यप्रदेश में काबिज भाजपा सरकार ने किया था लेकिन सरकार की मंशा पर पानी फेरते हुए जिम्मेदारो के शह शराब का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। जिले में नर्मदा नदी के 5 किलोमीटर के परिधि में शराब की बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूदए अवैध शराब का कारोबार खुलेआम फल.फूल रहा है। प्रशासनिक सख्ती और कानून के प्रावधानों के बावजूद यह गोरखधंधा जिले के कई ग्रामीण व शहरी इलाकों में बेरोकटोक जारी है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि अवैध शराब के धंधे पर रोक लगाने के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति की जा रही हैए जबकि असली कारोबारी बेखौफ अपने काम में लगे हैं।

नर्मदा किनारे का इलाका बना हॉटस्पॉट

नर्मदा नदी के संरक्षण और आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए 5 किलोमीटर के भीतर शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हैए लेकिन डिंडौरी जिला मुख्यालय में ही कम से कम 20 ठिकानों से दिन दहाड़े लाखों रुपए की अवैध शराब विक्रय किया जा रहा हैए बस स्टैंड से लेकर किराना दुकान और पान दुकानों सहित होम डिलीवरी की सुविधा के साथ अवैध शराब तस्करी जारी है। जिले में शराब बंदी की कानून सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आता है। जिले के कई क्षेत्रोंए विशेष रूप से करंजियाए बजागए डिंडोरी और शाहपुर के नर्मदा किनारे के गांवों में कच्ची और देशी शराब का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कई स्थानों पर स्थायी अड्डे बना दिए गए हैं जहाँ शराब बनाई और बेची

जाती है। हैरानी की बात यह है कि पुलिस और आबकारी विभाग को इन गतिविधियों की जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही।

आबकारी विभाग की भूमिका पर उठे सवाल

आबकारी विभाग द्वारा समय.समय पर की जाने वाली छापामार कार्रवाई सिर्फ खानापूर्ति तक सीमित नजर आती है। जब भी मीडिया या उच्चाधिकारियों की नजर जाती हैए विभाग नाम मात्र की कार्रवाई कर छोटी मछलियों को पकड़कर रिपोर्ट बना देता हैए जबकि बड़े सप्लायर और माफिया अब तक कानून की पकड़ से बाहर हैं।

महिलाएं और युवा हो रहे प्रभावित

अवैध शराब के बढ़ते प्रभाव का सीधा असर गांवों में महिलाओं और युवाओं पर दिखाई दे रहा है। कई स्थानों से नशे की लतए घरेलू हिंसाए और बेरोजगारी की समस्याएं सामने आई हैं। समाजसेवियों और महिला संगठनों ने कई बार जिला प्रशासन से शिकायतें की हैंए लेकिन स्थायी समाधान के लिए ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से भी सवाल खड़े

चौंकाने वाली बात यह है कि जिले के कई जनप्रतिनिधि इस गंभीर मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। न तो इस विषय पर कोई खुलकर आवाज उठा रहा है और न ही विधानसभा या जिला स्तर पर इसे प्राथमिकता मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि राजनीतिक संरक्षण के चलते यह अवैध कारोबार वर्षों से फलता. फूलता आ रहा है।

आवश्यक है ठोस रणनीति और जन सहभागिता

स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि नर्मदा तट क्षेत्र में अवैध शराब पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएए जिसमें पुलिसए आबकारीए ग्राम पंचायत और स्वयंसेवी संस्थाओं की संयुक्त भागीदारी सुनिश्चित हो। साथ ही शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी सजा और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई हो।

खुले सेप्टिक टैंक में गिरी गाय, नगर परिषद की लापरवाही से पशु प्रेमियों में गुस्सा

पशु प्रेमियों ने खुद चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

शहपुरा। नगर के वार्ड क्रमांक 01 स्थित मंगल भवन के समीप बने एक पुराने और लंबे समय से खुले पड़े सरकारी सेप्टिक टैंक में मंगलवार सुबह एक गाय गिर गई। इस घटना ने नगर परिषद की लापरवाही और उदासीन रवैये को उजागर कर दिया है। स्थानीय निवासियों के अनुसारए इस सेप्टिक टैंक के बारे में कई बार नगर परिषद को लिखित व मौखिक शिकायत की जा चुकी थीए लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। नतीजा दृ मंगलवार को एक बेजुबान गाय इस खुले टैंक में जा गिरी और घंटों तक तड़पती रही।
नगर परिषद की बेरुखी से आक्रोशित हुए पशु प्रेमी घटना की सूचना मिलने पर जब नागरिकों ने नगर परिषद कार्यालय से संपर्क किएए तो वहां मौजूद कर्मचारियों ने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया किए -नवजयगाय को निकालना हमारा काम नहीं है।-नवजय इस अमानवीय उत्तर से क्षेत्रीय नागरिकों और पशु प्रेमियों में गहरा रोष फैल गया।

पशु प्रेमियों ने किया सराहनीय कार्य

नगर परिषद द्वारा मदद ना मिलने पर अंततः स्थानीय पशु प्रेमियों और समाजसेवियों ने खुद कमान संभाली। रस्सियों और अन्य संसाधनों की मदद से उन्होंने घंटों प्रयास कर गाय को सकुशल बाहर निकाला। इस दौरान कुछ युवकों ने जोखिम उठाकर खुद टैंक में उतरकर रेस्क्यू अभियान चलाया।

जनता की मांग, खुले टैंक को किया जाए बंद

घटना के बाद क्षेत्रीय जनता का आक्रोश फूट पड़ा। नागरिकों ने नगर परिषद से मांग की है कि खुले सेप्टिक टैंक को तुरंत बंद किया जाए तथा ऐसी लापरवाहियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्धकार्यवाही हो। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गयाए तो यह टैंक किसी मासूम बच्चे के लिए भी खतरा बन सकता है।

क्या बोले जिम्मेदारद

इस संबंध में नगर परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गयाए लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी।

ग्राम पंचायत इंदौरी में मजदूरों के साथ अभद्रता जनपद अध्यक्ष से शिकायत

शहपुरा। शहपुरा जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत इंदौरी में जल गंगा संवर्धन योजना के तहत तलाब निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने सरपंच और सचिव पर तानाशाही रवैये और अभद्रता का आरोप लगाया है।

मामले का विवरण

मजदूरों ने बताया कि मेट द्वारा सरपंच और सचिव के निर्देश पर कार्य बंद करा दिया गया और उनके साथ अभद्रता की गई। इसके विरोध में मजदूरों ने ग्राम पंचायत भवन में दो घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया
और सरपंच और सचिव को फोन कर बुलायाए लेकिन वे नहीं पहुंचे।

जनपद अध्यक्ष से शिकायत

मजदूरों ने जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो से शिकायत की और सरपंच और सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मजदूरों ने आरोप लगाया कि सरपंच और सचिव द्वारा स्टीमेंट से हटकर नियम विरुद्ध कार्य कराया जा रहा है।

मजदूरों की मांग

मजदूरों ने सरपंच और सचिव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है और नियमित कार्य कराने की मांग की है।

जनपद अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

जनपद अध्यक्ष प्रियंका आर्मो ने मामले की जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। ग्राम पंचायत इंदौरी में मजदूरों के साथ अभद्रता का मामला गंभीर है और इसकी जांच कर कार्रवाई करना आवश्यक है। हमें उम्मीद है कि जनपद अध्यक्ष की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और मजदूरों की अजीविका का शोषण रोका जाएगा।

संत शिरोमणि कबीर नवोदय यात्रा का डिंडौरी में भव्य शुभारंभ पंथ गुरु उदित मुनिनाम साहेब ने दिए आध्यात्मिक संदेश

डिंडौरी। संत शिरोमणि कबीर साहेब की शिक्षाओं और मूल्यों को जन.जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही नव जय सतगुरु कबीर नवोदय यात्रा नव जय का भव्य शुभारंभ 3 जून को डिंडौरी जिले के ऐतिहासिक कबीर चबूतरा से किया गया। इस पावन यात्रा का नेतृत्व पंथ श्री हुजूर उदित मुनिनाम साहेब के सानिध्य में किया जा रहा हैए जो राजस्थान से आरंभ होकर महाराष्ट्र गुजरात होते हुए अब मध्यप्रदेश के डिंडौरी पहुँची है। इस यात्रा का आयोजन केडीवी कबीर दया वंशावली मिशन के तहत किया जा रहा है जिसका उद्देश्य है नवजयजीव दयाए आत्म पूजा और संत कबीर के बताए मार्ग पर चलकर समाज को जागरूक करना। नवजय कबीर चबूतरा से कबीर आश्रम तक निकली भव्य शोभायात्रा जिले के कबीर चबूतरा से आरंभ होकर यह नवोदय यात्रा विभिन्न तहसीलों से होती हुई माँ नर्मदा तट स्थित कबीर आश्रम पहुँची जहाँ जिले भर से आए कबीरपंथियों

ने पंथ गुरु का भावपूर्ण स्वागत किया। आश्रम में जीवदयाए आत्म पूजा और आरती के बाद भव्य शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए अमरकंटक रोड स्थित कबीर आश्रम परिसर पहुँची। यहाँ आयोजित भंडाराए गुरु पूजा कबीर पाठ और भजनों के पश्चात पंथ गुरु श्री हुजूर उदित मुनिनाम साहेब ने अपने प्रवचन में कबीर साहेब की जीवन दृष्टिए साखियों और दोहों के माध्यम से सामाजिक समरसताए जातिविहीन समाज और मानवता के मूल्यों की व्याख्या की। युवाओं को कबीर के सिपाही बनने का आह्वान पंथ गुरु ने कहाए -नवजययुवा ही कबीर के सच्चे सिपाही हैं। यदि हम अपने बच्चों को कबीर साहेब की शिक्षा से जोड़ें तो वे न केवल जागरूक नागरिक बनेंगे बल्कि समाज को भी नई दिशा देंगे। नवजय उन्होंने सभी से कबीर वाणी को आत्मसात कर लोभए लालच और क्रोध जैसे विकारों से मुक्त होकर सत्य और करुणा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कबीर वाणी से शुरू होती है महापुरुषों की पूजा.पाठ पंथ गुरु ने बताया कि उन्होंने अनेक मंडलेश्वरए आचार्य और कथा वाचकों से संवाद किया जिन्होंने स्वीकारा कि उनकी पूजा और कथाएं कबीर साहेब के दोहों से ही शुरू होती हैं। यह प्रमाण है कि कबीर साहेब की वाणी आज भी संत परंपरा की आधारशिला बनी हुई है। केडीवी मिशनरू जात.पांत से ऊपर उठकर मानवता का संदेश प्रवचन में पंथ गुरु ने कहा नवजय हमें जात.पांत के भेदभाव को त्यागकर एकजुट होकर कबीर के संदेश को अपनाना होगा। केडीवी मिशन एक राष्ट्रीय पहल है जो हर नागरिक से अपेक्षा करता है कि वे कबीर के विचारों को आत्मसात करें और समाज में करुणाए दया व समरसता की भावना को मजबूत करें। नवजय इस आयोजन में दामाखेड़ा से पधारे संत केडीवी मिशन के राष्ट्रीय पदाधिकारी डिंडौरी जिले केकबीरपंथी समाज के सदस्य व श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर परिषद के टेंडर में भारी अनियमितता का आरोपए कलेक्टर से जांच की मांग

डिंडौरी । नगर परिषद डिंडौरी द्वारा प्लेट्स प्रिंटिंग कार्य हेतु निकाले गए टेंडर में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। इस संबंध में प्रोए रोहित कांस्कर ने विगत दिनांक 3 जून 2025 को कलेक्टरडिंडौरी को एक लिखित आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसारए नगर परिषद द्वारा हाल ही में फ्लैक्स प्रिंटिंग कार्य के लिए टेंडर आमंत्रित किया गया थाए जिसमें बिरासनी ट्रेडर्स द्वारा कुछ वस्तुओं की दरें बाजार मूल्य से बेहद कम प्रस्तुत की गईं।

आवेदनकर्ता ने बताया कि बिरासनी ट्रेडर्स ने टी.शर्ट प्रिंटिंगए कैप प्रिंटिंग तथा झंडा प्रिंटिंग जैसी सामग्री की दर मात्र 0ण्100 पैसे प्रति यूनिट दर्ज की हैए जोकि व्यावहारिकता और बाज़ार दर के पूर्णतः विपरीत है। इतनी कम दर डालने के बावजूद बिना वस्तुतः गुणवत्ता या संभाव्यता की जांच किएए केवल एल.1 सबसे न्यूनतम दरदाता होने के आधार पर उक्त संस्था को टेंडर आवंटित कर दिया गया। प्रार्थी ने इसे नियमों का खुला उल्लंघन बताते हुए आपत्ति जताई हैए प्रोए रोहित कांस्कर ने अपने आवेदन में कहा है कि यह संदेहास्पद प्रक्रिया न केवल पारदर्शिता के खिलाफ हैए बल्कि इससे शासन के राजस्व को भी नुकसान हो सकता है। उन्होंने मांग की है कि टेंडर की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। प्रो कांस्कर ने इस संदर्भ में नगर परिषद के संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की अनियमितताएं बिना जांच के स्वीकृत होती रहीं तो आने वाले समय में जनहित के कार्यों में भारी गड़बड़ियां सामने आ सकती हैं।

तारा वनवासी की ऐतिहासिक सफलता, आदिवासी अंचल की बेटी बनीं सहायक प्राध्यापक, संघर्ष की मिसाल बनीं

डिंडौरी की बनीं प्रेरणा की प्रतीक, सीमित संसाधनों के बावजूद एमपीपीएससी परीक्षा में रचा कीर्तिमान

डिंडौरी। जिले के आदिवासी अंचल से निकली तारा बनवासी ने वह कर दिखाया है जो कई युवाओं के लिए केवल एक सपना होता है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी की सहायक प्राध्यापक हिन्दी परीक्षा 2022 में चयनित होकर तारा ने न सिर्फ अपने परिवार और गांव काए बल्कि पूरे आदिवासी समाज और जिले का नाम रोशन किया है।

यह सफलता तारा की मेहनतए आत्मबल और अडिग संकल्प की गवाही देती है।विकासखंड अमरपुर के ग्राम बरसिंघा माल की निवासी तारा बनवासी ने बचपन से ही जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए शिक्षा को अपना हथियार बनाया। उनके पिता नारायण सिंह बनवासी खेत मजदूरी करते हैं और माता श्रीमती तीजा बाई एक गृहिणी हैं। ऐसे परिवेश में पली.बढ़ी तारा ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने मोहगांव हाईस्कूल विकासखंड अमरपुर से 10वीं और रानी अवंती बाई स्कूल मंडला से 12वीं की पढ़ाई पूरी की। आगे की पढ़ाई के दौरान आर्थिक संकट आड़े आएए लेकिन उन्होंने आत्मनिर्भरता और जुझारूपन से अपनी पढ़ाई जारी रखी। हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर करने के बादए तीसरे प्रयास में छम्ज परीक्षा उत्तीर्ण की और फिर एमपीपीएससी की परीक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।वर्तमान में तारा बनवासी अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालयए रीवा से हिन्दी विषय में पीएचडी कर रही हैं। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ एक

व्यक्तिगत सफलता नहींए बल्कि यह सामाजिक बदलाव और प्रेरणा की एक नई कहानी है जो विशेषकर ग्रामीण और आदिवासी बेटियों के लिए एक प्रकाशस्तंभ की तरह है। उनकी इस सफलता पर परिजनए शिक्षकगण ग्रामीणजन और जिले भर के लोग गर्व अनुभव कर रहे हैं। चारों ओर से उन्हें बधाइयाँ मिल रही हैं और वे अब नयी पीढ़ी के लिए एक आदर्श बनकर उभरी हैं। तारा कहती हैंए जब लक्ष्य स्पष्ट हो और मन में विश्वास होए तो कोई भी विपरीत परिस्थिति आपकी राह नहीं रोक सकती। आज तारा बनवासी उस सच्चाई की मिसाल हैं कि प्रतिभा को अगर अवसर मिले तो वह किसी भी ऊंचाई को छू सकती है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

14

जबलपुर, गुरुवार 5 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

विवाद के चलते चाचा ने की भतीजे की शिकायत

नरसिंहपुर। गत दिवस वृद्ध चाचा द्वारा जमीनी विवाद के चलते अपने भतीजे की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है। बीतली निवासी 70 वर्षीय वृद्ध रैदास जाटव द्वारा दी गई शिकायत मे बताया गया है कि भतीजे फूल सिंह जाटव पर रास्ता बंद करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। रैदास के अनुसार 1988 में उनके और उनके भाइयों के बीच पैतृक संपत्ति का बंटवारा हुआ था। बाड़े की भूमि (खसरा नंबर 108, रकबा 0.077) तीनों भाइयों में बराबर बांटी गई थी। इसमें सभी के लिए 5 फुट चैड़ा निजी रास्ता निर्धारित किया गया था। शिकायत में बताया गया कि फूल सिंह ने राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर उनकी मां भूरी बाई के नाम दर्ज जमीन को अपने नाम करा लिया। इसके बाद उसने रास्ता बंद कर दिया। यह रास्ता रैदास के हिस्से में बने शौचालय तक जाता था। रैदास का कहना है कि रास्ता खोलने की बात करने पर फूल सिंह और उसके परिवार के लोग गाली गलौज करते हैं। उन्होंने रैदास के बेटे भाव सिंह और बच्चों को झूठे मुकदमे में फंसा दिया है। रास्ता बंद होने से उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों में परेशानी हो रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि स्थानीय पुलिस से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि पुलिस फूल सिंह का संरक्षण कर रही है। रैदास ने एसपी से रास्ता खुलवाने और उचित कार्रवाई की मांग की है।

गंगा दशहरा आज, नर्मदा के सभी घाटों पर रहेगी भीड़

नरसिंहपुर । गुरूवार को सम्पूर्ण जिले मे गंगा दशहरा पर्व मनाया जावेगा। गंगा दशहरा पर्व पर मां नर्मदा के सभी घाटों पर भक्तों की भीड़ रहेगी। वही प्रशासन द्वारा घाटों पर निगरानी बढ़ा दी गई। आज लाखों की संख्या मे नर्मदा स्नान कर भक्तों द्वारा अपनी मनोकामनाएं माता के समक्ष रखी जावेगी।

महिला एवं पुरुष नसबंदी शिविर का आयोजन 11 को

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आवश्यकता पूर्ति के लिए जिले में माह जून 2025 में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनसीव्हीटी एलटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल पर नियमानुसार मानकों के आधार पर सेवा दी जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि नरसिंहपुर जिला एवं जिले के बाहर के नसबंदी के हितग्राहियों के लिए 11 जून 2025 को जिला चिकित्सालय में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनसीव्हीटी एलटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। शिविर स्थल पर मरीज का पंजीयन, शिविर के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी, जांच, पैथोलॉजी, ऑपरेशन, शिफटिंग एवं डिस्चार्ज समस्त व्यवस्थायें एवं आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था शहरी एवं स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर द्वारा की जायेगी।

शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

नरसिंहपुर। गत दिवस नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा में शिक्षण को रुचिकर आनंदमय, भयमुक्त वातावरण में विषय की गहरी समझ विकसित करने हेतु प्रादेशिक शिक्षण संस्थान भोपाल से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा जिले के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालय में कार्यरत 171 शिक्षकों का आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग(कला समेकित शिक्षण) शिक्षण विधि का तीन दिवसीय प्रशिक्षण पी एम श्री महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में आयोजित दिया जा रहा है। जिसमें मास्टर ट्रेनर विनीत पाठक, लक्ष्मण सिंह जाटव, कीर्ति देहरिया, शमसून्निशा खान द्वारा कला समेकित अधिगम का तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा।

किसानों ने उड़द व मूंग पंजीयन को लेकर सौंपा ज्ञापन

फसल लेकर कलेक्ट्रेट पहुचें किसान, किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

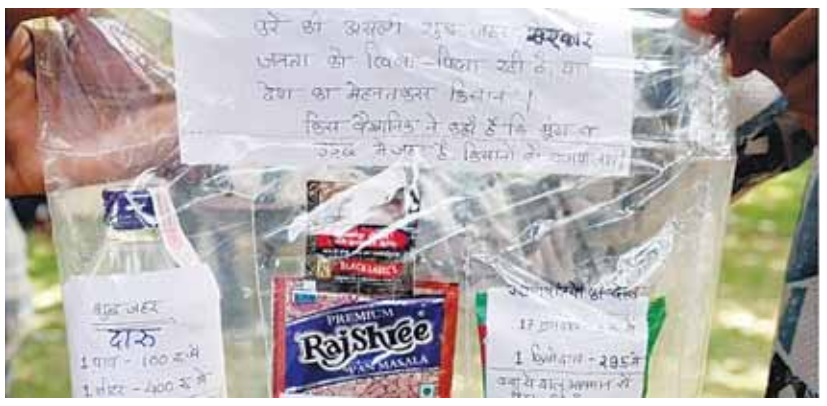

बुधवार को किसानों एवं ब्लाक कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन कर एस डी एम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि जिला कृषि प्रधान होने के वाबजूद भी सरकार एवं प्रशासन की उदासीनता के चलते समर्थन मूल्य पर मूंग विक्रय हेतु पंजीयन प्रारंभ नही किया गया है जिसके चलते किसानों चिंता और तीव्र होती जा रही है। किसानों द्वारा धूप में कड़ी मेहनत कर मूंग का उत्पादन किया जाता है लेकिन सरकार द्वारा उसे समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पोर्टल चालू नही किया गया है जो किसानों के साथ छलावा है।

किसानों की सुध नही लने रही सरकार

किसानों ने बताया कि प्रदेश में 50 प्रतिशत फसल कट चुकी है। लेकिन अभी तक सरकार ने समर्थन मूल्य पर खरीदी की घोषणा नहीं की है। खेती की लागत प्रति एकड़ 28 से 30 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इसमें खाद, बीज, दवाइयां और मजदूरी का खर्च शामिल है। बाजार में मूंग 6,500 रुपये और उड़द 5,000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही है। इससे किसानों को प्रति एकड़ मात्र 7-8 हजार रुपये की आय हो रही है। यह एक दैनिक मजदूर की मजदूरी से भी कम है। किसानों ने अपनी पीड़ा दिखाने के लिए एसडीएम को शराब, गुटखा और मूंग दाल की प्रतीकात्मक फोटो भी दी। उनका कहना था कि सरकार गुटखा-शराब की बिक्री पर ध्यान दे रही है। लेकिन किसानों की फसल की सुध नहीं ले रही।

फसल लेकर पहुंचे किसान

किसानों की मांग को लेकर बड़ी संख्या मे किसान मूंग व उड़द की फसल को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए प्रर्दशन किया गया। जिला प्रशासन की ओर से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मणिन्द्र कुमार द्वारा ज्ञापन लेते हुए किसानों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। मूंग का पंजीयन ना होने के कारण किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है। वही मौसम भी अपना मिजाज बद चुका है। कभी भी बारिश हो सकती है। ऐसी स्थिति मे यदि किसानों की उपज खराब होने की संभावना अधिक रहती है जिससे लेकर किसान और भी चिंतत बना हुआ है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन द्वारा क्या कदम उठाए जाते है या फिर किसानों को आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

ज्ञापन में बताया गया है कि सरकार एवं प्रशासन द्वारा किसानों के हित में फैसला लेकर शीघ्र मूंग खरीदी का पंजीयन प्रारंभ नहीं किया गया तो सभी किसान संगठनों के साथ मिलकर किसानों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर खरीदी शुरू करवाने की मांग की है। ताकि उन्हें अपनी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके। अब देखना होगा कि सरकार द्वारा किसानों के हित मे क्या कदम उठाया जाता है। वही दूसरी ओर भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार बताने का कार्य करती है वही किसानों की उपज को खरीदने मे लेटलतीफी कर पोर्टल चालू नहीं करा सकी है।

श्री मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन हॉकी अकादमी की टीम को मिली जीत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर (समर कैंप) में रोमांचक हॉकी मुकाबला देखने को मिला, जिसमें श्री मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन हॉकी अकादमी के दो प्रशिक्षण टीमों कृ रेड टीम और ब्लू टीम कृ के बीच मैत्रीपूर्ण मैच खेला गया। यह मुकाबला प्रतिभागियों के खेल कौशल और टीम भावना को परखने के लिए आयोजित किया गया था शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा खिलाड़ियों ने इस मैच में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों और कोचिंग स्टाफ का दिल जीत लिया ब्लू टीम ने जहां आक्रामक खेल शैली अपनाई, वहीं रेड टीम ने भी दमदार रक्षात्मक प्रदर्शन कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहले क्वार्टर में ही ब्लू टीम ने एक गोल कर बढ़त बना ली, जिससे उनके हौसले बुलंद हो गए। इसके बाद दूसरे हाफ में रेड टीम ने एक गोल कर स्कोर को बराबर कर दिया, जिससे मुकाबला और भी रोचक हो गया लेकिन तीसरे और चैथे क्वार्टर में ब्लू टीम ने अपनी रणनीति में बदलाव कर दो और गोल दाग दिए और अंततः 3-1 की निर्णायक बढ़त बना ली मैच के दौरान ब्लू टीम के खिलाड़ीयों ने बेहतरीन गोल किए और मैच के सितारे बनकर उभरे। वहीं रेड टीम के गोलकीपर ने कई शानदार बचाव किए, जिससे टीम को बड़ी हार से बचाया शिविर के समन्वयक और कोचिंग स्टाफ ने दोनों टीमों के प्रयासों की सराहना की और खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि ऐसे मैचों से खिलाड़ियों के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में खेलने का अनुभव प्राप्त होता है श्री मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन हॉकी अकादमी का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को एक समान मंच प्रदान करना है, जिससे वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें कोच पंकज करारे ने बताया इस समर कैंप के माध्यम से सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को न सिर्फ खेल की तकनीकी जानकारी दी जा रही है, बल्कि उन्हें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व जैसे गुणों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज का मुकाबला इस बात का प्रमाण है कि आने वाले समय में ये युवा खिलाड़ी भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह सम्मेलन आज 55 विवाह और एक निकाह होगा संपन्न

तेंदूखेड़ा। मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भोपाल द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजनांतर्गत आज 5 जून को जनपद पंचायत चांवरपाठा का सामूहिक विवाह सम्मेलन कृषि उपज मंडी परिसर तेंदूखेड़ा में क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। जिसमें जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों के 55 जोड़े भारतीय संस्कृति रीति नीति के अंतर्गत परिणय सूत्र में आबद्ध होंगे तथा एक निकाह भी अपने हमराही को कबूल करेगा। आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। तथा परिणय सूत्र में बंध रहे जोड़ों के परिवारों को भोजन पानी की व्यवस्था की जा रही है। योजना के अंतर्गत सभी हितग्राहियों की बधु की उम्र 18 वर्ष एवं वर की उम्र 21 से अधिक होना अनिवार्य है।जिसके लिए जन्म तारीख के प्रमाणीकरण हेतु जन्म प्रमाण पत्र या अंक सूचि एवं बधु पक्ष के अविभावक का बी पी एल सूची में नाम सत्यापित करने के बाद ही शामिल किया गया है।

कलेक्टर ने मलेरिया रथ को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मच्छरों की पैदावार, मलेरिया तथा अन्य वाहक जनित रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से मलेरिया रथ को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस एस ठाकुर, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. राजकिशोर पटेल और अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि मानसून के प्रारंभ के साथ ही मच्छरों की उत्पत्ति स्थल बढ़ जाने के कारण मलेरिया जन्य परिस्थितियां निर्मित होती हैं। अत मच्छर व जन्य रोगों के प्रति जनजागरूकता के लिए माह जून मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। इस उद्देश्य से कलेक्टर ने उक्त मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मलेरिया माह के दौरान जिले में जन जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। ब्लॉक, सेक्टर एवं पंचायत स्तर पर कार्यशाला के सत्र आयोजित किये जायेंगे। इस माह में बुखार से पीड़ित व्यक्ति व मलेरिया रोगियों की खोज कर उनका उपचार किया जायेगा। ग्राम स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य एवं तदर्थ समिति की बैठक आयोजन कर मच्छर जन्य परिस्थितियों के उन्मूलन के प्रयास किये जायेंगे। साथ ही मलेरिया नियंत्रण के लिए जिले में व्यापक प्रचार- प्रसार किया जायेगा व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

तेंदूखेड़ा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

डोभी सहित ढिलवार और तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 की भी चोरी पकड़ी

तेंदूखेड़ा

विगत 22 मई को ग्राम डोभी में टीकाराम पटेल के सूने घर से बड़ी मात्रा में सोना चांदी चोरी जाने की तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। तेंदूखेड़ा पुलिस ने जिला पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका के निर्देशन में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी मधुर पटैरिया के मार्गदर्शन में नगर निरीक्षक सौरभ पटेल ने एक टीम गठित कर आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में पता साजी कर ही रहे थे।कि सागर जिले के अंतर्गत केसली थाना अंतर्गत भी एक चोरी की घटना घटित होने के चलते पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्यवाही के चलते तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात चोरों का पता लगाया जा रहा था। पूंछताछ के दौरान एक आरेस पिता रमतीलाल आदिवासी पारदी 20 साल निवासी जतरापुर मुहल्ला जिला विदिशा दूसरा जिमी पिता बबलू आदिवासी पारदी 19 साल जमतरापुरा मुहल्ला जिला विदिशा के दौरान तेंदूखेड़ा थाना अंतर्गत डोभी में चोरी की घटना स्वीकार किया साथ ही डोभी की चोरी घटना के पूर्व 17 मई को ग्राम ढिलवार में एक चोरी की घटना तथा तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 में चोरी की घटना को अंजाम दिया जाना स्वीकार किया। आरोपियों को घटना स्थल पर ले जाकर सत्यापित करने से ज्ञात हुआ कि उक्त सभी चोरियों को दिन के समय ही करना स्वीकार किया। पुलिस ने ग्राम डोभी से लगभग 6 लाख रुपए के सोने चांदी के जेवरात ग्राम ढिलवार से लगभग 80 हजार रुपए की चोरी तथा तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 से लगभग 30 हजार के सोने चांदी के जेवरात बरामद किए गए हैं।इस सफलता में निरीक्षक सौरभ पटेल के साथ साथ उप निरीक्षक अनिल तिवारी शशांक दुबे प्रधान आरक्षक मनोज आरक्षक कर्मवीर संजय ठाकुर ब्रजेश अहिरवार हेमंत वाडिया की सराहनीय भूमिका रही। तेंदूखेड़ा पुलिस को इस बड़ी सफलता पर पीड़ित वर्ग ने सराहना की है । गौरतलब रहे कि अभी तक हुई चोरियों की घटनाओं में यह पहली चोरी पकड़ी गई है।

प्रतिभावानों का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

नियमितता, अनुशासन एवं प्रोत्साहन के मूल मंत्र पर संचालित एम.आई.एम.टी. कॉलेज द्वारा म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान अंतर्गत प्रतिभा प्रोत्साहन की दिशा में जिले के विभिन्न विद्यालयों मे हायर सेकेण्डरी परीक्षा मेरिट मे उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त सम्मान समारोह संकायवार आयोजित किया जा रहा है। जीव विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह डॉ. आलोक तिवारी के मुख्य आतिथ्य, एम.आई.एम.टी. के चेयरमैन इंजी रुद्रेश तिवारी की अध्यक्षता ,शिक्षाविद केशव स्थापक के विशिष्ट आतिथ्य एवं उप प्राचार्य डॉ. एस.एन. राव की उपस्थिति मे किया गया । मुख्य अतिथि आलोक तिवारी ने छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए एनईपी 2020 पर महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की कार्यक्रम अध्यक्ष इंजी. तिवारी ने महाविद्यालय की विकास यात्रा के 26 सफलतम् वर्ष पूर्ण होने पर अभिभावकों विभिन्न विद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं को उनके सहयोग के प्रति आभार प्रगट करते हुए छात्र-छात्राओं को देश का भविष्य निरूपित किया। विशिष्ट अतिथि केशव स्थापक ने विषय चयन और भविष्य की संभावनाएं विषय पर अपने उद्गार प्रकट किए। सहायक प्राध्यापक श्रीमती माधुरी पटवा ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा मे प्रवेश लेने हेतु जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पराग नेमा एवं आभार श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर शिक्षाविद् श्रीमती माया पटैल, रामनरेश रावत, दुर्गा प्रसाद धुर्वे, प्रशांत पटेरिया, अभिभावक -दिनेश सोनी, गंगाराम साहू, जगदीश प्रसाद सोनी, विकास वेदी, कैलाश गोस्वामी, कमल जाट, केशव पटेल, ब्रजेश श्रीवास्तव, सीताराम प्रजापति, निहाल सिंह लोधी एवं अखिलेश वर्मा सहित महाविद्यालय से डॉ. एस.एन.राव, श्रीमती अनीता रघुवंशी, डॉ. दीपिका शर्मा, जी.डी.उमरे एवं सुश्री विजेता सिधना एवं स्टाफ मेम्बर्स तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। शुभम सोनी, आस्था साहू, पूर्णिमा श्रीवास्तव, पिंकी सोनी, रूद्र वेदी, खुशबू गोस्वामी, दिशा जाट, यश कुमारी, प्रशांत प्रजापति, रानी लोधी तथा प्रांजल वर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

सब्जी विक्रेताओं ने सौंपा ज्ञापन

बगैर पूर्व सूचना दिए दुकान हटाये जाने से हुआ नुकसान का आरोप

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा के नगर परिषद के बाजू और साप्ताहिक बाजार परिसर में काफी लंबे समय से लग रही सब्जी विक्रेताओं की फुटकर और थोक विक्रेताओं की दुकानों को बगैर कोई पूर्व सूचना दिए ही हटा दिया गया है।जिसके विरोध स्वरूप एक ज्ञापन समस्त विक्रेताओं के द्वारा तहसीलदार तेंदूखेड़ा और नगर परिषद मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सौंपा गया है। जिसमें उल्लेख किया गया है कि इन व्यापारियों को दुकानें हटाये जाने को लेकर पूर्व में ना तो कोई जानकारी नोटिस दिया गया है और ना ही समय दिया गया अचानक दुकान हटाये जाने की कार्यवाही से सब्जी विक्रेताओं को नुकसान हुआ है। दुकान हटाये जाने के एवज में कोई दूसरी जगह उपलब्ध भी नहीं कराई जा रही है। जिससे सभी व्यापारियों को जीवकोपार्जन को लेकर संकट खड़ा हो जायेगा। व्यापारियों का कहना है कि काफी लंबे समय से उचित जगह उपलब्ध कराने की मांग भी की जा रही है। लेकिन कभी इधर कभी उधर की कार्रवाई ही हाथ लगती है। नगर परिषद में सीएम ओ को ज्ञापन सौंपने गये हुए थे। उनके ना मिलने पर आवक-जावक में ज्ञापन दिया गया था इसी दौरान परिषद् के अध्यक्ष महोदय से चर्चा हुई है लेकिन उनके द्वारा जो जगह उपलब्ध कराने का बोला जा रहा है वह सब्जी विक्रेताओं के हिसाब से उचित नहीं है। जिस जगह से दुकानें हटवाई गई है वहां पर पक्की दुकानों का निर्माण होना है। दुकान दार चाहतें हैं कि उन्हें मुख्य सार्वजनिक स्थलों पर दुकानें आवंटित की जायें।हाल ही में पुराने पुलिस थाने परिसर से लगे हुए स्थान पर पेबर ब्लाग लग चुके हैं। यहां पर भी दुकान लगाने के लिए तैयार है या फिर बाजार में छायादार शेड में एक लाइन सुनिश्चित कर दी जाये जिसमें हमेशा दुकानें लगतीं रहें। इस मौके पर बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेता उपस्थित थे।